

दृष्टि कंकां सं मय नाठा धिपं प्र छे । कल मसि कर्षार्थ वय धाय न मसुता ॥ ३ ॥ सु ल क
 म म हा त म म कल का च न ही नि ही । अ ध म व रू प दं नि ह क व त्रा य न म सु ता ॥ ४ ॥ छु का व धूः
 म हा का य शि ष ल क क पा ल कं । म हा क ल्पा न का वि ही शि य त्रा का कं न मा सु ता ॥ ५ ॥ धी ग वः
 धू म हा त म म सु ना पा श्रु क त्र धू गी । वा म क म छु व धार्थ अ मा स न न म सु ता ॥ ६ ॥ आ का व धूः
 म हा का य हा दा रा व न रू धि ती । ख क क पा त्र धी वी ती य ता व रू न मा सु ता ॥ ७ ॥ य ग रू सी कः
 प या ती छु ना द हं म हा व ती । व क ल क य व द त म मा व रू न मा सु ता ॥ ८ ॥ उ क व क्का पिः

अमर

406

[illegible][illegible]

[illegible]

नारकं लोभमहं निजोठाऽसकलकविलरुलीयार्थकम् ॥ गंगावदिकत्रीसमित्प्रधयः प्रका
पदं सोर्यादं सोराठ्यादिरुलपदं सलिलमैकन्ददिप्रेषारुमैः दीपादिफितिवर्द्धनादधिष्ठु
जानत्रापिसोराठ्यादं दर्वायवतलवर्द्धनीसकलसघण्टात्रकैयार्थकं ॥ ताम्बूलधनदं सूत्रनः
नगानैलकीपदं ॥ ४४ ॥ सुकसिद्धिधनपदाऽनिलसयगंगेयाकसैयनः ॥ मुक्तिरुर्मन्त्रावि
परिहृदितांदद्यात्तानापमा सुकसिद्धिविवर्द्धनीसुत्रलोऽसैयवितादवता ॥ ॥ ॥ ॥
यत्रिलिकस समिधं यत्रिलोभधया मन्त्रानवात्रिनीसम्यक् ॥ इन्द्रयागसुवज्यासिद्धिः ॥

त्वा जगिषिष्यथाश्रुतायथाश्रुतमनादिकं यमाश्रुति कलाश्रुत्याम् ॥ ॥ दधुप्रियायाः
 न ॥ ॥ ॥ दधुप्रियायाः ॥ गङ्गासर्वद्वानी मधुलीपलमाश्रुती प्रसन्नप्रदमद्व
 त्वाश्रुताश्रुते कथम् ॥ मकुम्भमाश्रुतक वडां कदादियाश्रुताश्रुतिगलटकिनाश्रुत
 नवकिमाश्रुतम् ॥ ॥ गलटं यत्र मधुनी गलटं वदता नहि मधुकितां पद्मी ॥ दधुप्रियायाः
 दिगदधुप्रियायाः यत्र यत्र मधुनी वदता नहि मधुकितां पद्मी ॥ दधुप्रियायाः
 नविता ॥ दधुप्रियायाः मधुनी वदता नहि मधुकितां पद्मी ॥ दधुप्रियायाः

[illegible]

॥००॥ श्रीमद्विष्णुसहस्रनामम् ॥ श्रीकृष्णसहस्रनामम् ॥ श्रीनारायणसहस्रनामम् ॥ श्रीवैष्णवसहस्रनामम् ॥ श्रीमद्विष्णुसहस्रनामम् ॥ श्रीकृष्णसहस्रनामम् ॥ श्रीनारायणसहस्रनामम् ॥ श्रीवैष्णवसहस्रनामम् ॥

२५३ रुयञ्जाम्बिकद्वयम् ॥ यद्विपुलाद्युत्तमम् ॥ तत्र ॥ रुयञ्जाम्बिका ॥ गङ्गाविनिर्गता

श्रीगणेशाय नमः ॥ जगत्सर्वज्ञं दत्तात्रेयं ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथैकः अग्नियः द्वाभौ सि

[illegible]

नकुदितामसः॥ ॥१॥ नकुदितामसः॥ ॥१॥ नकुदितामसः॥ ॥१॥ नकुदितामसः॥ ॥१॥

कलाकलमानसभा

[illegible]

...संस्थासंनयेन

[illegible]

पञ्चमः सर्गः

[illegible]

नगरेः देवद्विजयिनैः सैन्यप्रतिपक्षेण तत्रैव उर्याहिरं

कः गिरिहयः कस्य कस्य गिरिहयः कस्य कस्य गिरिहयः कस्य कस्य गिरिहयः ॥

१ आदित्यवाग॥ शामवाल॥ नृगवाल॥ वधवाल॥ वृद्धवाल॥ हुकवाल॥ हातिवाल॥
 उदग४ अमन४ नाग४ लारु४ गुरु४ वल४ काल४
 वलन४ काल४ उदग४ अमन४ नाग४ लारु४ गुरु४
 लारु४ अमन४ नाग४ उदग४ वल४ काल४
 अमन४ काल४ उदग४ वल४ लारु४ गुरु४
 काल४ गुरु४ नाग४ उदग४ वल४ लारु४
 गुरु४ नाग४ उदग४ वल४ लारु४
 नाग४ उदग४ वल४ लारु४

आदित्यवागि शामवाति नृगवालि वधवालि वृद्धवालि हुकवागवाति हातिवु
 उदगवल अमनवाला नागवला लारुवला गुरुवला वलनवला कालवला
 गुरुवला अमनवला नागवला लारुवला गुरुवला वलनवला कालवला
 अमनवला कालवला उदगवला अमनवला नागवला लारुवला गुरुवला
 कालवला गुरुवला नागवला उदगवला वलनवला लारुवला
 गुरुवला नागवला उदगवला वलनवला लारुवला
 नागवला उदगवला वलनवला लारुवला
 उदगवला अमनवला नागवला लारुवला गुरुवला
 कालवला गुरुवला नागवला उदगवला वलनवला लारुवला
 गुरुवला नागवला उदगवला वलनवला लारुवला
 नागवला उदगवला वलनवला लारुवला

॥ ୮୫ ॥ ଶୁକ୍ଳ ସପ୍ତମୀ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥ ୮୬ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଅଷ୍ଟମୀ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥ ୮୭ ॥ ଶୁକ୍ଳ ନବମୀ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥
 ୧୧ ॥ ୦୮ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦଶମୀ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥ ୧୨ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଶ୍ରୀରାମ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥
 ୧୩ ॥ ୧୪ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ଵାଦଶୀ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ୧ ॥ ୧୫ ॥ ଶୁକ୍ଳ ପ୍ରତିପଦ ୧ ॥ ୧୬ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ଵିତୀୟା ୧ ॥
 ୧୭ ॥ ୧୮ ॥ ଶୁକ୍ଳ ତୃତୀୟା ୧ ୧ ॥ ୧୯ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଚତୁର୍ଥୀ ୧ ୧ ॥ ୨୦ ॥ ଶୁକ୍ଳ ପଞ୍ଚମୀ ୧ ୧ ॥
 ୨୧ ॥ ୨୨ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଷଷ୍ଠୀ ୧ ୧ ॥ ୨୩ ॥ ଶୁକ୍ଳ ସପ୍ତମୀ ୧ ୧ ॥ ୨୪ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଅଷ୍ଟମୀ ୧ ୧ ॥ ୨୫ ॥ ଶୁକ୍ଳ ନବମୀ ୧ ୧ ॥
 ୨୬ ॥ ୨୭ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦଶମୀ ୧ ୧ ॥ ୨୮ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଶ୍ରୀରାମ ୧ ୧ ॥ ୨୯ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ଵାଦଶୀ ୧ ୧ ॥ ୩୦ ॥ ଶୁକ୍ଳ ପ୍ରତିପଦ ୧ ୧ ॥
 ୩୧ ॥ ୩୨ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ଵିତୀୟା ୧ ୧ ॥ ୩୩ ॥ ଶୁକ୍ଳ ତୃତୀୟା ୧ ୧ ॥ ୩୪ ॥ ଶୁକ୍ଳ ଚତୁର୍ଥୀ ୧ ୧ ॥ ୩୫ ॥ ଶୁକ୍ଳ ପଞ୍ଚମୀ ୧ ୧ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
॥ गुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
॥ शिष्याय नमः ॥ ४ ॥
॥ ब्रह्माय नमः ॥ ५ ॥
॥ विष्णवे नमः ॥ ६ ॥
॥ महेश्वराय नमः ॥ ७ ॥
॥ इत्यष्टौ नमः ॥ ८ ॥

7 || ~~XX~~ ||

~~XX~~

~~XXXXXXXX~~ || || ~~XX~~ ||

2 || ~~XX~~ ||

3 || ~~XX~~ ||

4 || ~~XX~~ ||

5 ||
6 ||
7 ||
8 ||
9 ||
10 ||

|| ~~XX~~ ||

~~XX~~

~~XX~~

~~XX~~

~~XX~~

11

Handwritten musical notation on five-line staves, featuring various note values and clefs.

[illegible]

